CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 21-02-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMFP User: cci Time: 02-20-2026 20:49 Color:

न्यू यॉर्क फैशन वीक में रामा दुवाजी ने अपनी ड्रेस से दिया खास मेसेज ! Page 4

नवभारत टाइम्स NBT **Lucknow Times** OF INDIA masalamix

I ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित), शनिवार, 21 फरवरी 2026

आलिया भट्ट ने कटरीना कैफ के बेटे के लिए भेजा तोहफा Page 4

दुनियाभर के देशों के मुकाबले भारत में सबसे जल्दी ओटीटी पर आती हैं फिल्में

OTT पर जल्दी आईं फिल्में, तो सिनेमाहॉल का क्या होगा!

सिनेमाघरों से ओटीटी पर फिल्म रिलीज की अवधि

- बुल्गारिया - 45 दिन
- बेल्जियम - 45 से 90 दिन
- यूनाइटेड किंगडम - 45 से 90 दिन
- अमेरिका - 45 से 90 दिन
- इटली - 3 महीने
- जर्मनी - 4 महीने
- डेनमार्क - 4 महीने
- स्पेन- 4 से 6 महीने
- जापान - 4 से 8 महीने
- फ्रांस - 15 से 17 महीने

भारत में पर्दे से ओटीटी पर फिल्म अभी 28 से 56 दिन में

Image generated by AI; for representation purpose only.

प्रशांत जैन

वॉर्नर ब्रदर्स और नेटफ्लिक्स के बीच डील की चर्चाओं के बीच सिनेमाघरों ने इस बात को लेकर चिंता जताई कि इस समझौते के पूरा होने के बाद फिल्में मौजूदा 8 हफ्ते से और जल्दी ओटीटी पर रिलीज हो सकती हैं। ऐसे में, पहले से दर्शकों की कमी का सामना कर रहे सिनेमाघरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। सिनेमा की दुनिया के जानकारों के मुताबिक, अभी भी तमाम दर्शक नई रिलीज हुई फिल्म को देखने के लिए आठ हफ्तों का इंतजार कर लेते हैं। ऐसे में, अगर आने वाले समय में यह समय चार से छह हफ्ते हो जाएगा, तो दर्शकों को सिनेमा बुलाना काफी मुश्किल हो जाएगा।

> दूसरे देशों के मुकाबले भारत में सिनेमा के बाद ओटीटी पर फिल्मों के आने की अवधि काफी कम है। अब इसके और कम होने की चर्चा ने चिंता बढ़ा दी है:

साउथ में चार हफ्तों में ओटीटी रिलीज

भारत में हिंदी फिल्मों के लिए ओटीटी रिलीज विंडो जहां आठ हफ्ते है। वहीं साउथ की फिल्में सिनेमाघर पर रिलीज के बाद महज चार हफ्तों में ओटीटी पर आ जाती हैं। मसलन पिछले साल की सुपरहिट फिल्मों में से एक ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा भाग 1 जहां अपनी रिलीज के महज एक महीने बाद ही तमिल, तेलुगु, कन्नड़ व मलयालम भाषाओं में ओटीटी पर आ गई। वहीं इसके हिंदी वर्जन को आठ हफ्ते बाद ओटीटी पर रिलीज किया गया। दरअसल, देशभर के बड़े सिनेमाघरों ने यह नियम बनाया हुआ है। उदाहरण के तौर रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म जेलर के निर्माताओं ने आठ हफ्ते की ओटीटी रिलीज की शर्त को स्वीकार नहीं किया, तो उस फिल्म को बड़े सिनेमाघरों ने हिंदी में रिलीज नहीं किया था। वहीं कमल हासन ने पिछले साल रिलीज हुई अपनी फिल्म ठग लाइफ को हिंदी में बड़े सिनेमाघरों पर रिलीज करने के लिए आठ हफ्ते की ओटीटी रिलीज की शर्त को माना था। लेकिन फिल्म के अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के चलते उन्होंने सिनेमा चेन को मुआवजा देकर उसे चार हफ्ते में ही ओटीटी पर हिंदी में रिलीज कर दिया। दरअसल, फिल्म को चार हफ्ते में ओटीटी पर रिलीज करने पर ओटीटी प्लेटफॉर्म भी निर्माता को ज्यादा रकम देते हैं। जानकारों की मानें, तो साउथ के दर्शक फिल्में ज्यादातर पहले हफ्ते में ही देख लेते हैं, जबकि हिंदी फिल्में 6-8 हफ्तों तक भी सिनेमा पर चलती हैं।

दूसरे देशों के मुकाबले भारत में सबसे कम हैं ओटीटी विंडो

फिल्मों के सिनेमा से ओटीटी पर आने की अवधि पर नजर डालें, तो भारत में यह पहले से ही काफी कम है। प्रोड्यूसर व फिल्म बिजनेस एनालिस्ट गिरीश जौहर कहते हैं, 'दुनियाभर के देशों में फिल्मों के सिनेमा से ओटीटी पर आने की अवधि भारत में सबसे कम है। अगर हम दूसरे देशों पर नजर डालें, तो वहां फिल्मों के सिनेमा से ओटीटी पर आने की अवधि ज्यादा होने के चलते ज्यादा संख्या में दर्शक सिनेमाघरों में फिल्मों को देखना पसंद करते हैं और फिल्में अच्छा कारोबार करती हैं। ऐसे में जहां भारत में पहले से ही फिल्मों के सिनेमा से ओटीटी पर आने की अवधि सबसे कम है, अगर इसे और कम किया जाएगा तो उसका सिनेमा उद्योग पर बुरा असर पड़ेगा।'

रणवीर सिंह से मांगे थे 10 करोड़

रणवीर सिंह को धमकी मामले में नया अपडेट सामने आया है। खबर है कि उनसे वॉट्सएप पर वॉयस नोट के जरिए 10 करोड़ की रंगदारी मांगी गई है।

यह वॉइस नोट रणवीर सिंह के मैनेजर को एक अमेरिकी फोन नंबर से भेजा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह धमकी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर की ओर से दी गई है। वॉइस नोट में पैसे की मांग करते हुए ऐक्टर को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गई। मामले की जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है और ऐक्टर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने इस मामले में रणवीर सिंह के मैनेजर का बयान भी दर्ज किया और अमेरिकी अधिकारियों से संपर्क कर फोन नंबर की जानकारी जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि यह धमकी फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के बाद भेजी गई। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े सभी सबूतों की जांच कर रही है।

बाएं से, कैरन कल्किन, माइकी मैडिसन, एड्रियन ब्रॉडी और ज़ोए सलदानिया अपनी ऑस्कर ट्रॉफी के साथ

ऑस्कर ट्रॉफी प्रेजेंट करेंगे एड्रियन ब्रोडी और माइकी

द अकैडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स और साइंसेज ने 98वें अकैडमी अवॉर्ड्स के प्रेजेंटर्स को लेकर नई घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि इस बार ऑस्कर ट्रॉफी को पिछले साल के विनर प्रेजेंट करेंगे। अकैडमी ने कहा कि 98वें अकैडमी अवॉर्ड्स में पिछले साल के बेस्ट ऐक्टर विनर एड्रियन ब्रॉडी, माइकी मैडिसन और सपोर्टिंग ऐक्टर्स विनर कैरन कल्किन और ज़ोए सलदानिया ट्रॉफी प्रेजेंटर्स होंगे। ये सभी स्टार्स ऑस्कर सेरेमनी के पहले प्रजेंटर्स के तौर पर इवेंट में शिरकत करेंगे।

गौरतलब है कि पिछले साल के ऑस्कर अवॉर्ड्स में सलदानिया, मैडिसन और कल्किन पहली बार ऑस्कर जीतने वाले स्टार्स बने थे। ज़ोए सलदानिया ने जहां फिल्म एमिलिया पेरेज के लिए अवॉर्ड जीता था तो वहीं माइकी मैडिसन ने फिल्म अनोरा और कैरन कल्किन ने ए रियल पेन के लिए अवॉर्ड जीता था। वहीं ब्रॉडी ने द ब्रूटलिस्ट में अपने रोल के लिए दूसरी ऑस्कर ट्रॉफी जीती थी।

वायुसेना की बहादुरी दिखाना चाहता हूं: कुशल श्रीवास्तव

कृष्णा नगर के रहने वाले फिल्म डायरेक्टर कुशल श्रीवास्तव एयरफोर्स पर बेस्ड एक वेब सीरीज ऑपरेशन सफेद सागर ला रहे हैं, जो करगिल दिवस के मौके पर ओटीटी पर आएगी। यह 1999 में करगिल युद्ध के दौरान एयरफोर्स के सबसे चुनौतीपूर्ण और ऊंचाई वाले हवाई अभियान ऑपरेशन सफेद सागर की अनकही कहानी बयां करेगी। पेश है कुशल से खास बातचीत।

मोहम्मद फाज़िल

भारतीय सेना के पराक्रम साहस और वीरता की कहानियां बॉलिवुड को हमेशा आकर्षित करती हैं। मौजूदा समय में बहुत सी फिल्में ओटीटी और बड़े पर्दे पर आ रही हैं लेकिन कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन सब में एयरफोर्स के जांबाजों की कहानी को कभी पूरी तरह से नहीं दिखाया गया। अब फिल्म डायरेक्टर कुशल श्रीवास्तव की यह वेब सीरीज पूरी तरह से एयरफोर्स को समर्पित है। यह स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा (वीर चक्र) के जीवन से परिचित कराएगी। इसमें जिमी शेरगिल, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोहली, आदिल हुसैन समेत कई बड़े सितारे नजर आएंगे। बीते दिनों कुशल श्रीवास्तव लखनऊ आए तो उन्होंने कहा कि मैं दुनिया को अपनी वायुसेना की बहादुरी दिखाना चाहता हूं।

ओटीटी में क्रिएटर एंड शो रनर ही हेड होता है

ओटीटी में क्रिएटर एंड शो रनर एक ऐसी पोस्ट है, जो डिसाइड करती कि कौन ऐक्टर-डायरेक्टर होगा। कास्टिंग से लेकर हरेक छोटा काम बिना उसकी मर्जी के नहीं होता। क्रिएटर का मुख्य फोकस कॉन्टेंट की क्वालिटी और रचनात्मकता पर होता है। डायरेक्टर चेंज हो सकता है लेकिन क्रिएटर नहीं। ऐसे में मैं इस शो का क्रिएटर हूं। कुशल ने बताया कि सीरीज की कहानी विशेष रूप से 17वीं स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज के इर्द-गिर्द घूमती है जहां स्क्वाड्रन कमांडर विंग कमांडर बी.एस. धनोआ (बाद में एयर चीफ मार्शल बिरेंदर सिंह धनोआ) एक प्रमुख किरदार है। जिमी शेरगिल ने एयर चीफ मार्शल बी.एस. धनोआ का किरदार निभाया है।

> फिल्म बनाने में डायरेक्टर ही सर्वोपरि होता है। उसके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करता। ओटीटी पर यह आजादी नहीं मिलती क्योंकि इसमें बहुत से स्टेक होल्डर होते हैं। सीधे तौर पर कहे तो ओटीटी में बंदिशें बहुत हैं।
>
> -कुशल श्रीवास्तव, फिल्म निर्देशक

पूरी दुनिया में हो जाती है आपकी पहुंच

ओटीटी और फिल्म में काम करने के अपने-अपने फायदे और नुकसान दोनों हैं। फिल्म बनाने में डायरेक्टर ही सर्वोपरि होता है। उसके काम में कोई हस्तक्षेप नहीं करता। वो प्रोजेक्ट को अपने हिसाब से पेश करता है। ओटीटी पर यह आजादी नहीं मिलती क्योंकि इसमें बहुत से स्टेक होल्डर होते हैं। सीधे तौर पर कहें तो ओटीटी में बंदिशें बहुत हैं। हालांकि, फायदा यह है कि आपकी पहुंच पूरी दुनिया में हो जाती है। मार्केटिंग और पैसा भी अच्छा मिलता है। अभी मेरी वेब सीरीज को 190 देशों में रिलीज किया जाएगा। तीन महीने तक तो इसको अलग-अलग भाषाओं में डब किया जाएगा।

CONTINUED ON 3

लखनऊ पर आधारित दो प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं

मैंने लखनऊ को जिया है इसलिए अपने शहर को बड़े पर्दे पर लाना चाहता हूं। अभी बतौर लेखक मैं दो प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं। एक क्राइम थ्रिलर बेस्ड कॉमेडी है तो दूसरा सामाजिक मुद्दों पर आधारित ड्रामा है। इसका अभी लेखन चल रहा है। हो सकता है इसी साल के अंत में इसकी शूटिंग शुरू हो जाए।

स्माइल विद दादा-दादी

भेजें दादा-दादी के साथ वाली प्यारी-सी फोटो lucknowtimes nbt@gmail.com पर। अपने नाम के साथ दादा/दादी का भी नाम लिखें। सब्जेक्ट में लिखें- Smile with Dada/Dadi

देवेश कुमार निगम

खींचोगे तो दिखोगे

अपनी मस्ती भरी तस्वीरें हमें lucknowtimes nbt@gmail.com पर भेजिए। मेल में अपना पता व नंबर जरूर लिखें और सब्जेक्ट में लिखें Kichoge to Dikhoge

यह फोटो आयुषी वर्मा ने इंदिरानगर से भेजी है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष मंगल, बुध और चंद्र के प्रभाव में रहेगा, जिससे आपके जीवन में ऊर्जा, बुद्धिमत्ता और भावनात्मक संतुलन बना रहेगा। फरवरी के शेष दिनों में आयात-निर्यात से जुड़े लोगों को बार-बार समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस समय धैर्य और सावधानी से काम करना लाभकारी रहेगा। मार्च तक आपको अच्छे अवसर प्राप्त होंगे और पिछले वर्ष के अधूरे कार्य पूर्ण होने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। अप्रैल में आर्थिक दबाव व खर्च बढ़ने से मानसिक चिंता हो सकती है, लेकिन मई में आपको किसी भव्यात्मक कार्यक्षेत्र से जुड़ने का अवसर मिलेगा। जून के अंत तक आपके कार्य कौशल, एकाग्रता और मेहनत से जोखिम भरे कार्य भी सफलता से पूरे हो जाएंगे। वर्ष के उत्तरार्ध में जुलाई से अक्टूबर के बीच आपका जीवन स्तर बेहतर होगा। सितंबर से अक्टूबर के बीच यदि किसी प्रकार की चिंता या बाधा हो, तो शनिवार सुबह स्टील की कटोरी में सरसों का तेल भरकर उसमें अपना चेहरा देखकर तेल सहित दान करना शुभ रहेगा। यह उपाय लगातार पांच शनिवार करने से घर में सुख-शांति बनी रहेगी। नवंबर से दिसंबर के मध्य तक शुभ कार्यों में खर्च होगा, जिससे मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। महिलाओं के लिए यह वर्ष विशेष रूप से सुख, सम्मान और उन्नति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (रविवार, 22 फरवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति फाल्गुन 3, शक संवत 1947, फाल्गुन शुक्ला पंचमी, रविवार, विक्रम संवत 2082। सौर फाल्गुन मास प्रविष्टे 11, रमजान 4, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तदनुसार अंग्रेजी तारीख 22 फरवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, बसंत ऋतु। राहु काल सायं 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक। पंचमी तिथि पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट तक के बाद षष्ठी तिथि का आरंभ। अश्विनी नक्षत्र सायं 5 बजकर 55 मिनट तक के बाद भरणी नक्षत्र का आरंभ। शुक्ल योग अपराह्न 1 बजकर 9 मिनट तक के बाद ब्रह्म योग का आरंभ। बालव करण पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट तक के बाद तैतिल करण का आरंभ। चंद्रमा दिन रात मेष राशि पर संचार करेगा।

सुडोकू

5		1	8					2
		3						7
		9		1	5			
8		5	9				7	
				2				
	7				4	6		3
			7	5		8		
2						5		
9					2	7		6

TELEVISION

big magic

09:00	बालू डबलू
10:00	चंद्रगुप्त बुद्धक
11:00	रुद्र के रक्षक
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
12:30	हम पांच
13:00	रुद्र के रक्षक
13:30	भ से भद्रे
14:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
15:00	लिटिल कृष्णा
17:00	बालू डबलू
18:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
राशि का स्वामी मंगल-सौम्य ग्रहों की संगति में है। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य प्राप्त होगा। शाम के समय कोई रुका काम बनने की संभावना है। पंचम भाव दूषित होने के कारण संतान पक्ष से निराशा जनक समाचार मिल सकता है। रात का समय प्रियजनों से भेंट व आमोद-प्रमोद में बीतेगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आज का दिन संतोष और शांति का है। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। शासन व सत्ता से गठजोड़ का लाभ मिल सकता है। नए अनुबंधों के द्वारा पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रात में कुछ अप्रिय व्यक्तियों से मिलने से अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। संतान पक्ष से कुछ राहत मिलेगी।

GEMINI 21 May - 21 Jun
राशि स्वामी की प्रबलता के कारण किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। संतान की शिक्षा या किसी प्रतियोगिता में आशातीत सफलता का समाचार मिलने से मन में हर्ष होगा। शाम में कोई रुका काम पूरा होगा। रात में उत्साहवर्धक मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
पराक्रम भाव में उत्तम संपत्ति का संकेत कर रहा है। आजीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति हो सकती है। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभदायक रहेगी। शाम से लेकर रात तक प्रिय व्यक्तियों से मिलना होगा और शुभ समाचार मिलेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
राशि का स्वामी सूर्य शुभ राशि सप्तम पराक्रम भाव में आ गया है। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलाएगी। शिक्षा, प्रतियोगिता में विशेष सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण अधिक भागदौड़ और आंखों की परेशानी होने की संभावना है। शत्रु आपस में लड़कर ही नष्ट हो जाएंगे।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
राशि स्वामी बुध सप्तम भाव में स्थित होकर पराक्रम में वृद्धि कर रहा है। इससे रोजगार व्यापार के क्षेत्र में जारी प्रयासों में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। संतान पक्ष से भी संतोषजनक सुखद समाचार मिलेगा। दोपहर बाद किसी कानूनी विवाद या मुकदमे में जीत आपके लिए खुशी का कारण बन सकती है।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज आपके घरों और सुखद वातावरण रहेगा। घर परिवार के सभी सदस्यों की खुशियां बढ़ेंगी। कई दिनों से चली आ रही लेन-देन की कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में धन हाथ में आ जाने का सुख मिलेगा। रिश्तेदारों का पदार्पण होगा। पास व दूर की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आपकी राशि पर शनि की स्थिति पाप संतान लग्नी भाव में हो गई है। फलस्वरूप कुछ आंतरिक विकार हो सकते हैं। आज का दिन इन सबकी जांच कराने और किसी अच्छे डॉक्टर इस विषय में सलाह मशविरा करने में व्यतीत करें। रोग की अवस्था में भी आपका चलना फिरना काफी ज्यादा हो गया है।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज आपके विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। शासन सत्ता पक्ष से निकटता व गठजोड़ का लाभ भी मिलेगा। ससुराल पक्ष की पर्याप्त मात्रा में धन हाथ लग सकता है। शाम से लेकर रात तक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के अवसर प्राप्त होंगे। मन प्रसन्न रहेगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज पारिवारिक व आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। आजीविका के क्षेत्र में चल रहे नए प्रयास सफल होंगे। अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग भी पर्याप्त मिलेगा। शाम के समय किसी झगड़े विवाद में न पड़ें। रात में प्रिय अतिथियों के स्वागत का योग बन रहा है। माता-पिता का विशेष ध्यान रखें।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज आपके स्वास्थ्य सुख में व्यवधान आ सकता है। राशि का स्वामी शनि उदय चल रहा है। इसलिए बेवजह के विवाद में न पड़ें। इससे नए शत्रु उत्पन्न हो जाएंगे। हानि भी हो सकती है। कोई विपरीत समाचार सुनकर अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इसलिए सावधान रहें।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज का दिन पुत्र, पुत्री की चिंता और उनके कार्यों में व्यतीत होगा। दांपत्य जीवन में कई दिन से चला आ रहा गतिरोध समाप्त हो जाएगा। भाइयों और सगों से आज लेन-देन न करें संबंध खराब होने का खतरा है। धार्मिक क्षेत्रों की यात्रा और पुण्य कार्यों पर खर्च हो सकता है। यात्रा में सावधान अवश्य रहें।

नेचर से प्यार

भेजें गार्डनिंग करते हुए अपनी फोटो lucknow timesnbt@gmail.com पर। नाम व पता जरूर लिखें। सब्जेक्ट में लिखें- Nature se Pyar

राजेंद्र कुमार वर्मा

मो. इस्लाम

टाइमपास के फंडे

आप भी कर रहे है समय का सदुपयोग, तो हमें भेजें टाइमपास की फोटो lucknowtimesnbt@gmail.com पर। सब्जेक्ट में लिखें- Timepass

गीता बिष्ट

खुशबू वर्मा

वैदिक श्रीवास्तव

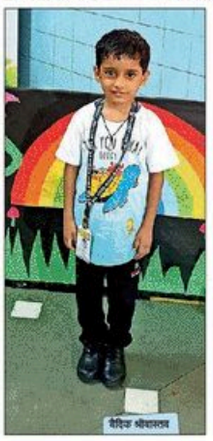

हनी हसन

मेरा प्यारा PET

अपने पेट्स के साथ की फोटो ईमेल करें lucknow times nbt@gmail.com पर। नाम, पता लिखना न भूलें और सब्जेक्ट में लिखें- My Pet

डॉ. प्रियंका शर्मा

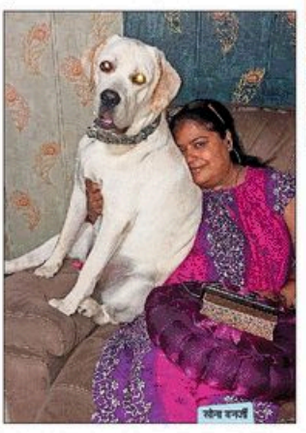

सोमा बनर्जी

स्वाती

HEALTH & WELLNESS TIMES interact

माही डायग्नोस्टिक

सभी जाँचें एक ही जगह

उत्तर प्रदेश में पहला NABL इमेजिंग सेंटर

डिजिटल CBCT

NABL Certified Lab

★ एम आर आई
★ सी.टी. स्कैन (Cardiac Angiography)
★ पैथालॉजी
★ अल्ट्रासाउण्ड एवं अन्य सभी जाँच

पिकाडिली होटल के सामने, कानपुर रोड, लखनऊ
फोन: 0522-4074409, हेल्पलाइन: 8448440852

शाखा सी-2/112, सेक्टर-एच, एलडीए कॉलोनी, कानपुर रोड योजना, लखनऊ, फोन: 05224314572

EDUCATION FORUM TIMES interact

excellia school
Explore. Achieve. Excel.

ADMISSION OPEN
SESSION 2026-2027
Playgroup to Class IX and XI

For Admission Enquiry
Scan QR Code

Discount on Admission Fee

A HOME AWAY FROM, FOR LEARNING AND GROWTH

Get 100% OFF
ADMISSION FEES
Learn. Lead. Rise.
Only From 13th to 21st Feb

Inside Omaxe City, Bijnaur Road, Lucknow +91-8543819929

GALLERIA TIMES interact

Great designs in hunter and patch pocket sadris and coats

Pure Cotton Shirtings, Suitings and Linen
Tuxedo & Farewell Suits
Men's Readymades
Ladies Coats/Formals
Big Sizes Available

Wide Range of Kurta Fabrics

MEN'S TAILORING

Largest Variety of Sadri in City

SCAN FOR LOCATION

PANACHE

Raymond | 100 % Branded | 100% Satisfaction

A-1515,(OPP MEENA MARKET),LEKHRAJ METRO STATION ROAD,INDIRA NAGAR, LKO
0522-4060627, 8081109927

ONE STOP SHOP

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 21-02-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG3 User: cci Time: 02-20-2026 20:32 Color:

एयरफोर्स को करीब से जाना है: कुशल

CONTINUED FROM ▸ 1

फिल्म डायरेक्टर कुशल श्रीवास्तव ने बताया कि मैंने करगिल युद्ध के बाद एयरफोर्स जॉइन किया था। उस दौरान एयरफोर्स को बहुत करीब से जाना। आज जब फिल्में बनती हैं तो मैं देखता हूं कि उसमें जल, थल सेना के पराक्रम को तो दिखाया जाता लेकिन एयरफोर्स को एक छोटे हिस्से में ही समेट दिया जाता है। मेरे दिल में हमेशा एक चीज रहती थी कि मैं एयरफोर्स की कहानी को आम जन तक पहुंचाऊं। फिल्म इंडस्ट्री में आया तो मैंने केके मेनन के साथ 'बौदका डायरीज' बनाई। उसको काफी पसंद किया गया। उसके बाद मुझे एक प्रोडक्शन हाउस से बुलावा आया कि आप एयरफोर्स पर फिल्म बनाएं।

2018 से कर रहा हूं काम

मैंने रिसर्च शुरू की। करगिल युद्ध में हमारे एयरफोर्स के बहुत से अनजान हीरो थे, जो अलग अलग शहरों में रहते थे। मैं उनसे मिला। चूंकि, मैं खुद एयरफोर्स का हिस्सा रहा हूं तो कई दोस्त आज भी एयरफोर्स में हैं उनसे मदद ली। सबसे मिलकर एक कहानी तैयार की। फिर फिल्म की शूटिंग शुरू हुई लेकिन कोविड की वजह से उसको रोकना पड़ा। इसके बाद मैं ओटीटी प्लैटफॉर्म पर आया तो उन्होंने कहा कि अब आप फिल्म छोड़कर वेब सीरीज बनाएं। फिर उसमें मैं क्रिएटर और शो रनर के रूप में जुड़ गया। ऑपरेशन सफेद सागर को अभिजीत सिंह परमार के साथ मिलकर बनाया है। इसमें भारतीय वायुसेना के द्वारा ऊंचाई, कठिन मौसम और दुश्मन की चुनौतियों के बीच पाकिस्तानी घुसपैठियों को रोकने वाले जोखिम भरे मिशन को दिखाया गया। यह सीरीज न केवल युद्ध की रणनीति, तकनीकी चुनौतियों और वीरता को उजागर करती है बल्कि पायलटों के व्यक्तिगत संघर्ष, साथी भावना, बलिदान और देशभक्ति की भावनाओं को भी दिखाती है।

मूवी रिव्यू कॉर्नर

कमज़ोर रह गए अनुराग कश्यप

Upma.Singh@timesofindia.com

फिल्म: **केनेडी**
रेटिंग: ★★½☆☆
निर्देशक: अनुराग कश्यप
कलाकार: राहुल भट, सनी लियोनी, मोहित टाकलकर, आमिर दलवी, अभिलाष थपलियाल आदि।
अवधि: 2 घंटे 22 मिनट
जॉनर: क्राइम थ्रिलर

फिल्मकार अनुराग कश्यप की क्राइम थ्रिलर फिल्म केनेडी कान्स फिल्म फेस्टिवल में डंका बजाने के 3 साल बाद आखिरकार ओटीटी पर पहुंच चुकी है। ब्लैक फ्राइडे, गैंग्स ऑफ वासेपुर, रमन राघव 2.0 और अगली की तरह अनुराग ने इस फिल्म में भी अपने सिग्नेचर स्टाइल में एक नियो नॉयर (डार्क, खोखली, एंटी हीरो वाली) दुनिया रची है, जहां नैतिक रूप से टूटे हुए किरदार हैं तो अंदर तक खोखली हो चुकी व्यवस्था, लेकिन इस बार उनके इस संसार में वो रोमांच या आकर्षण नहीं है, जो दर्शकों को करीब सवा दो घंटे तक बांध सके।

कहानी एक ऐसे पूर्व पुलिस अधिकारी उदय शेट्टी (राहुल भट) की कहानी है, जो दुनिया के लिए मर चुका है। जबकि, असल में वह प्रीमियम टैक्सी ड्राइवर केनेडी के रूप में पुलिस कमिश्नर रशीद (मोहित टाकलकर) के लिए हिटमैन का काम करता है। वह अंधेरी रातों में एक के बाद एक लोगों को मौत के घाट उतारता रहता है। उसका खुद का एक दर्दनाक अतीत भी है, जिसके चलते उसकी जिंदगी का एक ही मकसद है, गैंगस्टर सलीम (आमिर दलवी) से बदला। क्या शेट्टी अपने इस मकसद में कामयाब हो पाता है? यह सब फिल्म देखकर पता चलेगा।

अनुराग कश्यप की एक रात में लिखी इस कहानी की शुरुआत दिलचस्प ढंग से होती है, जब उदय रूसी संगीतकार चाइकोवस्की की धुन पर बिजली सी फुर्ती और सपाट चेहरे के साथ अपना शिकार करता है। उसके बाद अमित अतीत और बॉयफ्लैक का बेहतरीन गीत फिल्म के मूड और माहौल को सेट करता है, लेकिन आगे पटकथा एक ढर्रे पर चल पड़ती है। राहुल भट के अलावा, बाकी किसी किरदार में कोई लेयर या गहराई नहीं है। यहां तक कि सनी लियोनी तक का किरदार कहानी में कुछ खास योगदान नहीं करता और गैरजरूरी लगता है। फिल्म बेशक एक स्लो बर्न है, जो धीरे-धीरे अपने अंजाम पर पहुंचती है, मगर इन किरदारों से वह जुड़ाव ही नहीं बन पाता कि आखिर तक आपको उनकी कहानी में रुचि रह पाए। क्लाइमैक्स भी काफी प्रीडिक्टिबल है।

हां, अनुराग अपने अंदाज में सिस्टम, शासन और सरकार पर तीखा तंज करने का मौका नहीं चूकते। वहीं, ऐक्टिंग की बात करें तो यह राहुल भट ने बेहतरीन परफॉर्मेंस दी है। एक टूटे हुए जख्मी इंसान के दर्द और एक निर्मम हत्यारे के खौफ दोनों ही भावों को वे अपनी आंखों से प्रभावी ढंग से बयां करते हैं। उसके अलावा, अभिलाष थपलियाल भी प्रभावित करते हैं। सनी लियोनी आकर्षक दिखती हैं। जबकि, आमिर दलवी, मोहित टाकलकर, श्रीकांत यादव जैसे सहयोगी कलाकार ठीकठाक हैं। तकनीकी रूप से सिलवेस्टर फोंसेका की सिनेमेटोग्राफी काबिल-ए-याद है, जो मुंबई की ग्लैमरस, स्याह गलियों को किरदार के मनोभावों का अक्स बना देते हैं। म्यूजिक जोरदार है पर बैकग्राउंड स्कोर कहीं-कहीं लाउड हो जाता है। वहीं, एडिटिंग टेबल पर फिल्म 15 मिनट कम की जानी चाहिए थी।

क्यों देखें
अनुराग ब्रांड सिनेमा के मुरीद हैं तो राहुल भट की शानदार अभिनय के लिए एक मौका दे सकते हैं।

स्कूल टाइम

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

हर स्टूडेंट को मिले बेहतर एजुकेशन का गिफ्ट

लखनऊ में कई सारे बोर्ड्स मौजूद हैं, जिनमें सरकारी और प्राइवेट स्कूल्स में अलग-अलग फीस स्ट्रक्चर, विभिन्न माध्यमों और काबिल टीचर्स के साथ सुलभ व व्यापक एजुकेशन उपलब्ध कराई जाती है।

Neha.Arora6@timesofindia.com

PICS: ISTOCK

लखनऊ अपनी सांस्कृतिक गरिमा और बौद्धिक विरासत के लिए लंबे समय से प्रसिद्ध रहा है, अब उत्तर भारत के प्रमुख और उभरते हुए स्कूल एजुकेशन सेंटर्स में बदल चुके हैं। शुरुआती पढ़ाई से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक, शहर में ऐसे संस्थानों की पूरी रेंज मौजूद है, जो विभिन्न आकांक्षाओं, क्षमताओं और बजट में विकल्प प्रदान करती है।

मजबूत नींव का निर्माण

प्रारंभिक स्तर पर शहर में किंडरगार्टन और प्री-प्राइमरी स्कूलों का अच्छा नेटवर्क है, जो छोटे स्टूडेंट्स में जिज्ञासा और आत्मविश्वास का विकास करता है। लखनऊ में शुरुआती एजुकेशन अब खेल-खेल में पढ़ाई, रचनात्मकता और सामाजिक विकास पर अधिक जोर देती है। क्लासेस को इस तरह से तैयार किया जाता है कि वे सुरक्षित होने के साथ प्रेरक भी हों, जिससे बच्चे भाषा, मैथ्स के स्किल और शारीरिक दक्षताओं को रोचक तरीके से सीख सकें।

व्यवस्थित अकादमियों की व्यवस्था

एक प्रिंसिपल प्रेरणा नाथ कहती हैं, "लखनऊ में सभी प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बोर्डों से संबद्ध संस्थान उपलब्ध हैं। पैरेंट्स चाहे स्ट्रिक्ट एजुकेशनल डिसिप्लिन वाले कोर्स चुनें या खोज-आधारित और अनुभवात्मक पढ़ाई के तरीकों को बढ़ावा देने वाला विकल्प चुनें, उन्हें शहर में इसके लिए उपयुक्त संस्थान मिल जाते हैं। विभिन्न बोर्डों की उपलब्धता से परिवारों को अपने भविष्य के एजुकेशन या व्यावसायिक लक्ष्यों के अनुरूप मार्ग चुनने में लचीलापन मिलता है।"

संतुलित विकास है जरूरी

एजुकेशनिस्ट प्रकाश सिंह का मानना है, "लखनऊ की एक विशेषता यह है कि यहां सरकारी और प्राइवेट स्कूल समान रूप से मौजूद हैं। सरकारी स्कूलों में आधारभूत संरचना, डिजिटल सुविधाओं और पढ़ाई के तरीकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कई स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब और स्किल डिवेलपमेंट प्रोग्राम शुरू किए गए हैं। वहीं प्राइवेट स्कूल कई तरह के एजुकेशन पैटर्न, को-करिकुलर एक्टिविटीज और स्पेशल प्रोग्राम्स प्रदान करते हैं।"

बजट में हो फीस

एजुकेशनिस्ट और काउंसलर राधिका नाथ बताती हैं, "यह शहर विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों के परिवारों के लिए उपयुक्त विकल्प प्रदान करता है। यहां अत्याधुनिक सुविधाओं वाले प्रीमियम इंस्टिट्यूशन भी हैं और बजट फीस वाले स्कूल भी मौजूद हैं, जो अच्छी एजुकेशन का लेवल बनाए रखते हैं। इस व्यापक विकल्प से यह सुनिश्चित होता है कि क्वालिटी एजुकेशन की पहुंच हर वर्ग तक हो सके। पैरेंट्स अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार स्कूलों का चयन कर सकते हैं, बिना क्वालिटी एजुकेशन से समझौता किए।"

विविधता में एकता

एजुकेशन के लैंग्वेज मीडियम के मामले में भी लखनऊ समावेशिता का उदाहरण प्रस्तुत करता है। एक पैरेंट आदित्य सिंह कहते हैं, "शहर के स्कूल अंग्रेजी, हिंदी और अन्य मान्यता प्राप्त मीडियम में एजुकेशन प्रदान करते हैं, जिससे परिवारों की भाषाई प्राथमिकताओं का सम्मान होता है। यह विविधता सांस्कृतिक निरंतरता को बनाए रखने के साथ स्टूडेंट्स को मल्टी लिंग्वल एबिलिटी भी प्रदान करती है।"

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 21-02-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMBP User: cci Time: 02-20-2026 20:54 Color:

'मुझे अपने पिता अमिताभ बच्चन से मिलती है प्रेरणा'

अगर मिस्टर अमिताभ बच्चन आपके ऊपर वाले कमरे में सो रहे हैं, तो आपको ज्यादा इंस्पिरेशन की जरूरत नहीं है। इसके अलावा मैं अपनी बेटी से भी प्रेरणा लेता हूं।'

अमिताभ बच्चन
अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन निवेश के लिए पिता अमिताभ के बताए तरीके अपनाते हैं

एक ओर जहां तमाम सिलेब्स पर यह आरोप लगता है कि वह जिन प्रोडक्ट का प्रचार करते हैं, उन्हें खुद कभी इस्तेमाल नहीं करते। वहीं अभिषेक बच्चन का कहना है कि वह ऐसे किसी भी प्रोडक्ट का प्रचार नहीं करते हैं जिसका वह खुद इस्तेमाल ना करें। वह कहते हैं, 'मुझे लगता है कि अगर मैं ऐसे प्रोडक्ट का प्रचार करूं जिसे मैं खुद इस्तेमाल नहीं करता, तो यह मेरे लिए बेईमानी होगी।' एक लंबा नोट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं समझता हूं कि एक फिल्म ऐक्टर होने के नाते प्रोडक्ट्स का प्रचार मेरे काम का एक हिस्सा है। आप प्रोडक्ट बेचने के लिए अपनी शोहरत का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन मेरे लिए, यह असहज और धोखे जैसा लगता है अगर मैं खुद उस प्रोडक्ट का इस्तेमाल नहीं करता।'

'पिता को सुरक्षित निवेश में यकीन है'

दूसरी ओर अभिषेक बच्चन ने यह भी कहा कि निवेश के तौर पर वह पैसा भी उन्हीं चीजों में लगाते हैं जिन पर उन्हें भरोसा होता है। एक समिट में अपने पिता अमिताभ बच्चन के निवेश पर कहा, 'वह हमेशा से ठोस और सुरक्षित निवेश में विश्वास रखते हैं, खासकर रियल एस्टेट और गोल्ड में। मेरे पिता की सोच सीधी है कि जमीन है तो सब ठीक है। यानी अगर आपके पास जमीन-जायदाद है, तो आपका भविष्य सुरक्षित है।' अभिषेक ने हंसते हुए यह भी बताया कि वे खुद पहले गोल्ड में निवेश करते थे, लेकिन उनकी पत्नी ऐश्वर्या राय ने एक दिन पूछा कि सिर्फ गोल्ड ही क्यों, सिल्वर क्यों नहीं!' अभिषेक ने कहा कि वह उन्हीं चीजों में पैसा लगाना पसंद करते हैं, जिन्हें वह खुद इस्तेमाल करते हैं या जिन पर उन्हें भरोसा होता है। उनके [illegible] किसी भी निवेश की शुरुआत भरोसे और समझ से ही होनी चाहिए।

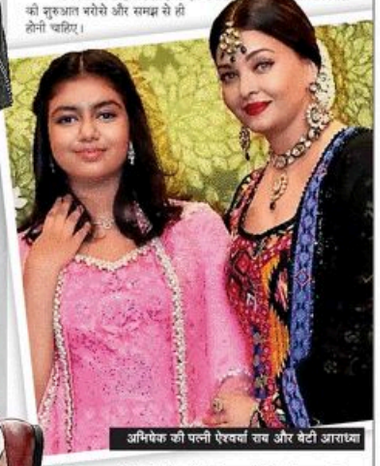

अभिषेक की पत्नी ऐश्वर्या राय और बेटी आराध्या

'पिता और बेटी से मिलती है प्रेरणा'

अभिषेक ने बताया कि उन्हें अपने पिता और बेटी आराध्या से लगातार प्रेरणा मिलती रहती है। वह कहते हैं, 'मुझे अपने पिता और बेटी से इंस्पिरेशन मिलती है। मुझे लगता है कि पांच जेनरेशन में सादगी और सोच बहुत साफ है। हालांकि अगर मिस्टर अमिताभ बच्चन आपके ऊपर वाले कमरे में सो रहे हैं, तो आपको ज्यादा इंस्पिरेशन की जरूरत नहीं है। लेकिन एक और इंसान जिसे मैं इंस्पिरेशन के तौर पर देखता हूं तो वह मेरी बेटी है। मुझे नई जेनरेशन से जलन होती है, मुझे लगता है कि वह बहुत सुलझे हुए हैं। हम उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं।'

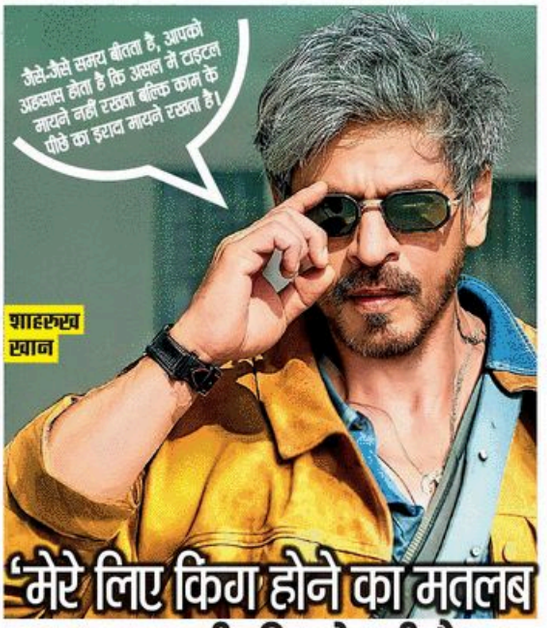

शाहरुख खान

'मेरे लिए किंग होने का मतलब पावर नहीं, जिम्मेदारी है'

शाहरुख खान को लोग पूरी दुनिया में किंग खान या बादशाह के नाम से बुलाते हैं। उनको ये नाम सिर्फ उनकी सुपरहिट फिल्मों या बॉक्स ऑफिस पर उनके जादू से ही नहीं मिला, बल्कि उनको के कल्चरल असर से भी उन्हें ये पहचान मिली है। फिर भी, शाहरुख खान किंग के इस टाइटल को किसी तरह के स्टारडम से नहीं जोड़ते। उनके लिए 'किंग' का मतलब राज करना नहीं, बल्कि उससे जुड़ी जिम्मेदारी को निभाना है।

शाहरुख ने कहा, 'मेरे लिए किंग शब्द का मतलब कभी पावर नहीं रहा। मेरे लिए यह हमेशा जिम्मेदारी रही है, उन लोगों के प्रति जो आप पर और उन कहानियों पर विश्वास करते हैं, जिन्हें आप अपनी फिल्मों के जरिए उन तक पहुंचाते हैं।' -PTI

'टाइटल नहीं काम का इरादा अहम होता है'

शाहरुख खान का कहना है कि समय बड़े से बड़े टाइटल को भी बदल देता है। उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे समय बीतता है, आपको अहसास होता है कि असल में टाइटल मायने नहीं रखता बल्कि काम करने के पीछे का इरादा मायने रखता है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी जिंदगी और करियर के इस पड़ाव पर, किंग टाइटल एक पहचान से ज्यादा विनम्रता और मकसद के साथ जीने की याद दिलाता है। मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है, ऐसा काम करना जो लोगों को एक साथ लाए, उन्हें कुछ महसूस कराए और उन्हें खुशी दे।'

पापा जस्टिन का गाना गुनगुनाता है बेटा: हैली

बेबी सॉन्ग में जस्टिन

जस्टिन बीबर ने 16 साल की उम्र में ही अपने करियर का सबसे हिट गाना 'बेबी' दुनिया को दे दिया था। अब उनकी पत्नी हैली बीबर का कहना है कि उनका 16 महीने का बेटा जैक ब्लूज बीबर अपने पापा का यह गाना गुनगुनाने लगा है। एक बातचीत में हैली ने बताया, 'पिछले दो दिनों से वह अपनी तोतली आवाज में बेबी ओ बेबी सॉन्ग गा रहा है।' इतना ही नहीं हैली ने बताया कि इन दिनों जैक की इकलौती पसंद बास्केटबॉल है। वह कहती हैं, 'वह हर समय बास्केटबॉल कहता रहता है। आज जब मैं उसे नींद से जगाने गई, तो वह बोलने लगा बास्केटबॉल।' इसी बातचीत में हैली ने बताया कि 2022 में उन्हें आए मिनी स्ट्रोक और हार्ट सर्जरी के बाद वह अपनी सेहत को लेकर और ज्यादा सजग हो गई हैं। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस स्थिति ने मुझे अपने शरीर के प्रति थोड़ा और ज्यादा सजग बना दिया। उसके बाद से ही मैं चीजों को लेकर थोड़ी घबराई रहने लगी और उन पर ध्यान देने लगी।'

न्यू यॉर्क फैशन वीक में रामा दुवाजी ने अपनी ड्रेस से दिया खास मेसेज!

न्यू यॉर्क फैशन वीक में रामा दुवाजी कुछ इस अंदाज में नजर आईं

अमेरिकी शहर न्यू यॉर्क की फर्स्ट लेडी और वहां के मेयर जोहरान ममदानी की पत्नी रामा दुवाजी इन दिनों अपने ऐसे फैशन सेंस की वजह से सुर्खियों में हैं, जो सोचा-समझा और राजनीतिक रूप से बेहद समझदारी भरा कदम माना जा रहा है। दरअसल रामा दुवाजी हाल ही में न्यू यॉर्क फैशन वीक में पहुंची थीं। आमतौर पर इस तरह के इवेंट में शिरकत करने लिए लोग नामी ब्रैंड्स के कपड़ों और एक्सेसरीज को चुनते हैं लेकिन रामा ने इस इवेंट में शिरकत करने के लिए न्यू यॉर्क की एक अश्वेत अप्रवासी महिला रहेल स्कॉट के एक छोटे से ब्रैंड को चुना। इस इवेंट में वह क्रीम और ब्राउन चेक कोट पहनकर पहुंची थीं, जिसके साथ पोल्का डॉट शर्ट और एक मिनी कोऑर्डिनेशन ट्रेंच कैरी किया था।

एक छोटे ब्रैंड के कपड़ों को पहनकर इतने बड़े इवेंट में पहुंचने की वजह से वह पूरी दुनिया में सुर्खियों में आ गई हैं। इससे पहले भी इस इवेंट में कई मेयर और फर्स्ट लेडी शामिल हुए हैं, लेकिन उन सभी ने बड़े और जाने-माने ब्रैंड्स को चुना था। हालांकि रामा ने इससे उलट, शहर के एक छोटे से ब्रैंड को चुनकर अब फैशन की दुनिया में नई सोच को जगह दे दी है। वहीं जेन Z उनके इस कदम के कायल नजर आ रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ हो रही है।

आलिया ने कटरीना के बेटे के लिए भेजा तोहफा

आलिया का भेजा हुआ तोहफा

आलिया भट्ट और कटरीना कैफ की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में आलिया ने कटरीना के बेटे विहान के लिए एक खास और प्यारा तोहफा भेजा।

कटरीना कैफ ने इस गिफ्ट की झलक अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की। इस खूबसूरत हैम्पर में नीले रंग का सॉफ्ट बनी टॉय और उससे मैच करता हुआ टेक्सचर्ड कंबल शामिल था। पेस्टल टोन की पैकेजिंग ने इस गिफ्ट को और भी खास बना दिया। कटरीना ने स्टोरी में आलिया का आभार जताया। इसके बाद आलिया ने भी कटरीना के आभार जताते इस पोस्ट को अपनी स्टोरी में रीपोस्ट करते हुए लिखा, 'तुम्हें और तुम्हारे बेटे के लिए ढेर सारा प्यार।' गौरतलब है कि विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने 7 नवंबर 2025 को अपने पहले बच्चे विहान का स्वागत किया था। दोनों की शादी 2021 में हुई थी। विक्की कौशल की आलिया के साथ एक फिल्म भी जल्द आने वाली है। विक्की कौशल इन दिनों फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में विक्की के साथ आलिया भट्ट और रणबीर कपूर नजर आएंगे।

कैट और विकी बीते साल मां-पिता बने थे

कटरीना के आलिया के तोहफे पर आभार जताने पर आलिया ने भी खास नोट लिखकर कटरीना और उनके बेटे को ढेर सारा प्यार दिया।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in